

cmky

cmlyk



आमिर ने विधु विनोद चोपड़ा को शिकारा के लिये शुभकामना दी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने विधु विनोद चोपड़ा को उनकी फिल्म शिकारा के लिये शुभकामना दी है। विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म शिकारा रिलीज हो गयी है। फिल्म 'शिकारा' के जरिए विधु विनोद चोपड़ा ने शराकी को करामीरी पंडों पर हुए अत्याचार की कहानी को एक प्यारी-सी जकृत थी।

लवस्टोरी के जरिए बताने की कोशिश की है। 'शिकारा' 1990 में करामीरी पंडों पर हुए जुल्म को दिखाती है कि आखिर कैसे रातों-रात उन्हें घर से निकलने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। फिल्म में दो नए कलाकार आदित खान और सादिया खान नजर आ रहे हैं। आमिर खान ने फिल्म 'शिकारा' के लिए विधु विनोद चोपड़ा को शुभकामना दी है और कहा है कि यह एक ऐसी पंडों पर हुए अत्याचार की कहानी को एक प्यारी-सी जकृत थी।

सुपरहीरो फिल्म में काम कर सकती है कैटरिना कैफ

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की बाबी गर्ल कैटरिना कैफ सुपरहीरो पर आधारित फिल्म में काम करती नजर आ सकती है। बॉलीवुड में चर्चा है कि अली अब्बाज जबर एक सुपरहीरो फिल्म लिख रहे हैं जिसका वह निदेशन और प्रोडक्शन भी करेंगे। इस फिल्म में कैटरिना कैफ लीड रोल प्ले करती नजर आ सकती है। बताया जा रहा है कि कैटरिना इस रोल के लिए सबसे उचित है। बताया जा रहा है कि फिल्म में अब तक के सबसे शानदार स्टंट हंगे जिन्हें किसी भी महिला कलाकार द्वारा करते हुए पहले नहीं दिखाया गया है। अली अभी फिल्म की स्क्रिप्ट फाइनल कर रहे हैं और इसे पूरा करने के बाद वह ग्राउंड वर्क पर काम पूरा करेंगे।

ड्रामा से पीटी टीचर: राजकुमार राव की 'छलांग', असल जीवन से फिल्म तक

हंसल मेला है और थानेदार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। कट्टे को कल्लू देने वाले हंसल इस बार उस के साथ 'छलांग' लगाते को टैटार है। स्ट्रीटिंग में फिल्म का सेट टैटार है। बुटिंग का रत्न है। राजकुमार राव भी इस फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। बॉलीवुड में आजकल के चरित्र वाले से राजकुमार राव भी शामिल हैं। वह फिल्म में अपनी पहिचान के जटिल फैसले को बताना चाहते हैं। फैसले के दिल में अकेले लिए एक विशेष जगह रखते वाले राजकुमार राव इस समय रानी गिरांत और निदेशकों को भी घेरते को डूरे हैं। वहां कल्लू है कि इनके पास फिल्मों की भी लंबी लज्जा है। अब राजकुमार अकेले फायरिंग किरदार हंसल मेला के साथ एक बार फिर वापसी कर रहे हैं। फिल्म का नाम 'छलांग' है और राव इसमें पीटी टीचर की भूमिका में हैं। 'छात्र', 'सिटीलाइट्स', 'अलीगढ़' और 'अजंता' के बाद हंसल और राजकुमार की यह पांचवीं फिल्म है। जॉर्जि है फैसले को भी इस फिल्म का बेतुकी से प्रभाव है। 'छलांग' एक सेलफ वॉलेंट फिल्म है। ऐसे में इसकी चर्चा भी शुरू हो रही है।

फिल्मों में आने से पहले गैराज में काम करते थे धर्मेन्द्र

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के हीरो धर्मेन्द्र का कहना है कि वह फिल्मों में आने से पहले गैराज में काम किया करते थे। धर्मेन्द्र को फिल्म इंडस्ट्री में आगे बढ़े छह दशक हो गये हैं। उनकी कई इंडस्ट्री में एक एक्शन हीरो के रूप में स्थापित हुई लेकिन उन्होंने कई सारी सुपरहिट रोमांटिक फिल्मों में भी काम किया है। धर्मेन्द्र ने अपनी एक्टिंग के जरिए जबरदस्त फैन फॉलोइंग हासिल की है। एक समय ऐसा भी रहा था जब धर्मेन्द्र को फिल्म इंडस्ट्री में दाखिल होने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। हाल ही में धर्मेन्द्र ने इंडियन भाइयों के मंच पर रिक्लम की। इस दौरान उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बातें कहीं।



QUIZ TIME

- 1) स्थानकवासी, तैराक्य व कांजीपणी शाखाएँ किस भारतीय धर्म से संबद्ध हैं? (क) सिख धर्म (ख) पारसी धर्म (ग) जैन धर्म (घ) बौद्ध धर्म
- 2) गौतम ने किस देवता का निवास माना जाता है? (सुंदरि / देवदेवी)
- 3) एशिया की सबसे बड़ी परीक्ष संस्था का नाम क्या है?
- 4) भारत का प्रथम मानचित्र सन् 1752 में किसने बनाया था?
- 5) फाइबर ऑप्टिक्स के पिता के रूप में किसे जाना जाता है?



प्रश्नों के उत्तर: (1) पारसी धर्म (2) जैन धर्म (3) एशियाई विकास बैंक (4) सैम्युअल जॉन्सन (5) ग्रेगोरि सार्वभौमिक

आशिकी ब्वाँय के नाम से मशहूर है राहुल रॉय

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड में राहुल रॉय को खूब एक ऐसे अभिनेता के तौर पर सुमार की जाती है जिन्होंने नब्बे के दशक में फिल्म इंडस्ट्री में लवर ब्वाँय के रूप में अपनी पहचान बनायी। नयी दिल्ली में 09 फरवरी 1968 को जन्मे राहुल रॉय ने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 1990 में प्रदर्शित मोह भद्र की फिल्म आशिकी से की। इस फिल्म में राहुल रॉय और अनु अग्रवाल की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद आया। रोमांटिक प्रेम कथा पर बनी इस फिल्म के सभी गीत उन दिनों चार्टटॉपर हुये थे जिन्होंने फिल्म को सुपरहिट बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। वर्ष 1992 में राहुल रॉय को एक बार फिर से मोह भद्र के निर्देशन में बनी फिल्म जूनन में काम करने का अवसर मिला। इस फिल्म में राहुल रॉय ने अपने नेगेटिव किरदार से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इसी वर्ष राहुल रॉय को रोमांचन के, जन्म, गवाह तमाशा, दिलवाले कभी ना हारे ऐसी फिल्में प्रदर्शित हुयी लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म टिकट बिकने पर कामयाब नहीं हुयी। वर्ष 1993 में राहुल रॉय को एक बार फिर से मोह भद्र की फिल्म फिर तेरे कबाने देव आग में काम करने का अवसर मिला।



दिलवाले कभी ना हारे ऐसी फिल्में प्रदर्शित हुयी लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म टिकट बिकने पर कामयाब नहीं हुयी। वर्ष 1993 में राहुल रॉय को एक बार फिर से मोह भद्र की फिल्म फिर तेरे कबाने देव आग में काम करने का अवसर मिला।

बाजार में लगा है प्याज का अंबार, फिर क्यों नहीं घट रहा दाम?

- दिल्ली की आजादपुर मंडी में रोज गुजरता और महाराष्ट्र से करीब 50 टन प्याज पहुंच रही है
- थोक मंडी में जहां प्याज का दाम 15 से 25 रुपये के बीच चल रहा है, वहीं रिटेलर इसे 40-60 रुपये में बेच रहे हैं

नई दिल्ली/नासिक। प्याज अब भी आपका महीने का बजट बिगाड़ रहा है? बाजार में तो प्याज का अंबार है, तो ऐसा नहीं कहा जा सकता कि सप्लाई कम है इसलिए दाम मुह चिढ़ा रहे हैं। दिल्ली की आजादपुर मंडी में रोज गुजरता और महाराष्ट्र से करीब 50 टन प्याज पहुंच रहा है। यानी 20 टन प्याज रोज मंडी में पहुंच रहा है। फिर कैसे बजट बिगाड़ रहा है?



आपको प्याज अब भी सस्ता नहीं मिल रहा क्योंकि खाने का जयका बढ़ाने वाले इस आइटम के रिटेल और थोक भाव में अब भी काफी अंतर है। थोक मंडी में जहां प्याज का दाम 15 से 25 रुपये के बीच चल रहा है, वहीं रिटेलर इसे 40-60 रुपये किलो से भाव बेच रहे हैं। आमतौर पर विक्रेता ट्रांसपोर्टेशन, स्टोरिंग आदि की लागत को देखते हुए दाम में 15 रुपये का मार्जिन रखते हैं

लेकिन 1008 का मार्जिन ग्राहकों की जेब पर असर डाल रहा है। कई ट्रेडर्स इसकी वजह नहीं बता पा रहे हैं। दिल्ली को सबसे ज्यादा प्याज की सप्लाई नासिक से होती है। पिछले कुछ हफ्तों में प्याज की औसत थोक कीमत काफी कमी आई है। शुक्रवार को एक क्विंटल प्याज का 1600 रुपये था, 31 जनवरी 2019 को 2600 रुपये था। 18 दिसंबर को महाराष्ट्र की लासलगांव मंडी में औसत थोक भाव ऑल टाइम हाई यानी 8,625 रुपये प्रति क्विंटल था। लासलगांव प्याज की सबसे बड़ी प्याज मंडी है। इस हिसाब से देखें तो 16 दिसंबर के बाद प्याज के थोक भाव में 818 की गिरावट दर्ज हो चुकी है। 20 जनवरी को एक क्विंटल प्याज के थोक भाव 4100 रुपये थे। यानी 20 जनवरी से अबतक इसी तरह दिल्ली के समसपुर में यह 55 से 60 रुपये के दाम पर बेचा

चुकी है, लेकिन रिटेल में प्याज जना सस्ता नहीं हुआ है। मिड रिसर्च से मिड जनवरी तक प्याज के थोक भाव 100 से 60 रुपये के बीच रहे, लेकिन खुदरा ग्राहकों को यह 80 से 120 रुपये किलो के भाव मिलता रहा। शुक्रवार को नई दिल्ली के माता सुंदरी कॉलेज के पास प्याज स्टॉल पर यह 50 रुपये किलो के भाव बिक रहा था। इसी तरह दिल्ली के समसपुर में यह 55 से 60 रुपये के दाम पर बेचा

एसबीआई का ऋण सस्ता, जमा पर मिलेगा कम ब्याज



नयी दिल्ली (वार्ता)। देश के सबसे बड़े सरकारी ब्यांकिंग बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दरों को रखावत रखे जाने के बीच अपनी सोमवार लागत ब्याज दर (एसबीएलआर) में पंच आध अंकों की कटौती करने के साथ ही जमा पर भी ब्याज दरों में 10 से 50 आधार अंकों की कमी कर दी है जिससे जमा पर कम रिटर्न मिलेगा। बैंक ने शुक्रवार को यहाँ बताया कि एसबीएलआर और जमा दरों में कमी 10 फरवरी से प्रभावी हो जाएगी। उसने कहा कि वर्ष 2019-20 में लगातार उसने नीची बार एसबीएलआर में कटौती की है। इस कमी के बाद उसकी एसबीएलआर 7.85 प्रतिशत हो जाएगी जो सभी अवधि के ऋण के लिए प्रभावी होगी। अभी एसबीएलआर 7.90 प्रतिशत है। उसने कहा कि तब से तल्लत बढ़ने के मद्देनजर दो करोड़ रुपये से कम के डिपॉजिट पर डिफरेंस पर ब्याज दर में 10 से 50 आधार अंकों और दो करोड़ रुपये से अधिक के बड़े टर्म डिफरेंस पर ब्याज में 25 से 50 आधार अंकों तक कटौती की गयी है जो 10 फरवरी से प्रभावी हो जाएगी।

कोरोना के चलते 20% तक लुढ़का कच्चा तेल

■ भारतीय ग्राहकों को क्या-क्या फायदे?



चीन में कोरोना वायरस के फैलने की वजह दुनियाभर में कच्चे तेल और गैस का बाजार घसरता चल रहा है। तेल के दाम में 20 फीसद तक की गिरावट आ चुकी है और लिक्विडिंग नैचुरल गैस (LNG) के दाम भी तेजी से गिर चुके हैं। इसकी वजह से जहाँ तेल और गैस उत्पादक जहाँ दाम घटाने को मजबूर हो गए हैं वहीं भारतीय ग्राहकों के लिए यह अच्छा मौका बन गया है। कच्चे तेल की कीमत घटने से पेट्रोल और डीजल का दाम घटने से हो रहे हैं, जिससे उनके पास अन्य खर्च के लिए ज्यादा खत्म बच रहे हैं। आइए देखें और समझें कि एक महीने में कहां से कहां पहुंचे कच्चे तेल और नैचुरल गैस के दाम में। 7 जनवरी 2020 को चीन ने कोरोना वायरस के आउटब्रेक की घोषणा की थी। अब से लेकर अबतक कच्चा तेल और गैस की कच्चे तेल के दाम में 20 फीसदी की गिरावट आई है। अब कुल 55 रुपये प्रति बैरल के दर पर पहुंच गया है यानी 13 डॉलर की गिरावट। LNG की बात करें तो

एक महीने में यह 3 डॉलर प्रति mmBtu ने नीचे आ गया है। चीन शिपमेंट लोडर रहा है, जिसकी वजह से ट्रेडर्स दूसरे बाजारों की तलाश कर रहे हैं। कच्चा तेल सस्ता, भारत को क्या फायदा? 1. कच्चा तेल सस्ता होने से पेट्रोल-डीजल पर कम खर्च होगा ग्राहक, जिससे अन्य खर्चों के दाम में गिरावट होगी 2. कच्चे तेल के कम दाम कार्ट अकाउंट डिफरेंस, रुपये और महंगाई दर के लिहाज से अच्छे 3. बीएसए 6 अप्रैल में फिर नए निवेश को फायदा करने के लिए रिफ़ायर फ़्यूल के दाम बढ़ सकते हैं। 7 जनवरी के बाद से अब तक पेट्रोल के दाम 3 रुपये से ज्यादा गिर गए हैं, वहीं डीजल के भाव भी करीब इतने ही नीचे आए हैं। क्या होगा आगे? जेम्स मॉर्गन का मानना है कि साल 2020 के लिए कच्चे तेल का औसत दाम 60.40 डॉलर प्रति बैरल रहेगा। यह अनुमान पिछले अनुमान से 4.1 डॉलर कम है।

संविदा निधारण को मजबूत बनाएं आयोजित कार्यशाला का सीवीसी ने किया शुभारंभ, बोले

हैदराबाद/नव प्रदेश। संविदा निधारण को मजबूत बनाने के लिए संविदा एवं ऑफिशियल पर 2 दिन की कार्यशाला का शुभारंभ को शरत कुमार, केंद्रीय सचिवता आयोग, भारत सरकार ने हैदराबाद में उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोले हुए शरत कुमार, सीवीसी, भारत सरकार ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कार्यशाला है क्योंकि पीएसयू को निविदाकरण तथा संविदा के निष्पादन, दोनों ही समय को ही जूट न हो, यह जानव करने के लिए ऑफिशियल रूप से सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि लोक प्राप्ति में गुणवत्ता तथा दरों की उपयुक्तता प्राप्त करने के लिए निविदाओं में एल-1 प्रणाली समीक्षाधीन है। निविदा पर निर्णय लेते समय एल-1 सर्वोत्तम उपाय नहीं हो सकता है क्योंकि यदि हम केवल लागत के इसी आधार पर निर्णय लेते हैं तो गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है और उससे संयंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। तथा स्वतंत्र बाह्य मॉनिटरिंग (आईईएम) की भूमिका तब प्रारंभ होती है जब कोई संविदा संबंधी मामला सर्वोपरीत किया जाता है एवं यह सचिवता का कर्तव्य नहीं है। एमएसएमडी जैसे पीएसयू के लिए जूट रहित संविदा चुनौती : एन. वैजेंद्र कुमार - एन. वैजेंद्र कुमार, आइएएस, सीएमडी, एमएसएमडी ने अपने संबोधन में कहा कि पीएसयू के लिए जूट रहित संविदा तैयार करना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। क्योंकि ऐसे अनेक मामले

त्रुटि रहित निविदाकरण के लिए बरतनी होगी अतिरिक्त सावधानी



कार्यशाला ने पीएसयू के 100 से अधिक अधिकारियों को भाग लिया। उद्घाटन के अवसर पर सीएमडी, एमएसएमडी एन. वैजेंद्र कुमार, केंद्रीय सचिवता आयोग, भारत सरकार, सीएमडी, एमएसएमडी एन. वैजेंद्र कुमार, आइएएस, सीएमडी, एमएसएमडी ने अपने संबोधन में कहा कि पीएसयू के लिए जूट रहित संविदा तैयार करना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। क्योंकि ऐसे अनेक मामले

कनिष्ठ प्रबंध तंत्र से मध्यम प्रबंध तंत्र तक फ़्रंट लान्ड स्ट्रॉक को निविदाकरण की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा जांचकर्ता देने के लिए किया गया कि बिना किसी समस्या के उसका सफलतापूर्वक निष्पादन करने के लिए उपाय उपाय कैसे किए जाने चाहिए। एमएसएमडी द्वारा आयोजित नए कार्यशाला में मिश्र भातु निराम (मिशनरी), भारत डेवेलपमेंट्स लिमिटेड (बीडीएल), इन्फोर्मेटीक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीआईएल) से भी प्रतिभागी शामिल हुए।

इतनी दिक्कत नहीं आती। कम्पनी ने डिस्कॉम को बिजली आपूर्ति किया है, इसके बाद डिस्कॉम ने तेलंगाना सरकार को बिजली बेचा है। बहरहाल तेलंगाना से बिजली बिल की बकाया राशि वसूली कर पाना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

न्यूज गैलरी

बिलासपुर-भोपाल पैसंजर सह एक्सप्रेस 9 व 12 फरवरी को कटनी मुरवा तक चलेगी

रायपुर। पश्चिम मध्य रेलवे जवल्पुर मंडल के कटनी-भोपाल-बनारसपुर सेक्शन में सम्पन्न प्रकट पर सीमित ऊँचाई के सबसे निर्माण कार्य एवं कटनी-बीना सेक्शन के सहाय्य स्टेशन में पुर्नोद्धार बिज में गड्ढा लाँचिंग कार्य हेतु बलक लिया गया है। इसके फलस्वरूप 09 एवं 12 फरवरी को बिलासपुर से खाना होने वाली गाड़ी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल पैसंजर सह एक्सप्रेस कटनी मुरवा स्टेशन में समाप्त होगी। इसी प्रकार 10 एवं 13 फरवरी को भोपाल से खाना होने वाली गाड़ी संख्या 18235 भोपाल-बिलासपुर पैसंजर सह एक्सप्रेस कटनी मुरवा स्टेशन से बिलासपुर के लिये खाना होगी। इस तरह ये गाड़ी कटनी मुरवा-भोपाल-कटनी मुरवा के मध्य रह लेगी। यहाँ 14 फरवरी को भोपाल से खाना होने वाली गाड़ी संख्या 18235 भोपाल-बिलासपुर पैसंजर सह एक्सप्रेस रह लेगी।

राजनंदागांव में 11 को संभाग स्तरीय अल्पसंख्यक सम्मेलन का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के तत्वावधान में आगामी 11 फरवरी को राजनंदागांव में संभागीय स्तरीय अल्पसंख्यक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। आयोग से जुड़े सुर्जों ने बताया कि 11 फरवरी दिन मंगलवार को दोपहर 12 बजे से गांधी सभागृह राजनंदागांव में संभाग स्तरीय अल्पसंख्यक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के वन मंत्री मोहम्मद अकबर उपस्थित रहेंगे। वहीं अध्यक्षता पीसीसी प्रमुख मोहन मरकम करेंगे। अतिथिगण अतिथि के रूप में गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, मंत्री रविन्द्र चौधे, पूर्व सांसद करुणा शुक्ला शामिल होंगे।

आदिवासी महा कुम्भ मेला : मेडारम समझा-सारालम्मा का जातरा

■ जातरा में एक करोड़ से भी ज्यादा लोग सम्मिलित होते हैं।
दक्षिण भारत का आदिवासियों का सबसे बड़ा जातरा है

■ तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, छग. एवं मध्यप्रदेश के साथ ही देश के कोने-कोने से पहुंचते हैं श्रद्धालु दर्शन करने।

नव प्रदेश संवाददाता

बीजापुर। छग. से लगे पड़ोसी राज्य तेलंगाना में बारंगल से 100 किमी दूर मेडारम स्थान पर आदिवासियों की माता-पुत्री देवियों, समझा-सारालम्मा के प्रति श्रद्धा और स्मृति के लिए विशाल जातरा (मेला) चल रहा है। यह जातरा हर दूसरे वर्ष आयोजित होता है। इस साल यह जातरा 5 से 8 फरवरी तक आयोजित है। यह दक्षिण भारत का सबसे बड़ा आयोजन है। यहां कुम्भ के बाद सर्वाधिक संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। इस साल लगभग 1 करोड़ 30 लाख श्रद्धालुओं के यह सांस्कृतिक मेला का अनुमान है। इसका इतिहास लगभग 600 -



700 वर्ष पुराना है। 13 वीं शताब्दी में इस क्षेत्र में जब कोया आदिवासी जंगल में शिकार पर थे, उन्हें वहां एक बच्ची मिली जिसे वे अपने साथ ले आए। उनके मुखिया ने उस बच्ची को पाला और नाम दिया समझा। युवा होने पर समझा अपने कबीले का नेतृत्व करने लगी। उसका विवाह पंगिडीरा राजू के साथ हुआ जो बारंगल की काकतीय सेना में आदिवासी टुकड़ी का नावक था। उनके दो लड़कियाँ, सारालम्मा और नागलम्मा और एक पुत्र जम्भारामा हुए। इसी समय अकाल पड़ा। गोदावरी तक वे पानी कम हो गया था। इस स्थिति में तत्कालीन काकतीय राजा प्रतापरुद्रदेव ने कर बर्खास्त किया। इसका समाधान समुदाय ने विरोध किया, फलस्वरूप राजा ने अपनी सेना भेजी। कोया आदिवासियों और काकतीय सेना का संघर्ष हुआ। कोया समुदाय को मा समझा, उसकी पुत्री सारालम्मा और पुत्र जम्भाराम लौट किया। इस युद्ध में जम्भाराम मारा गया और इसी मेडारम गांव के पास गोदावरी के प्रवाह में वह डूब गया। यह स्थान आज भी जम्भाराम कहलाता है जहां श्रद्धालु ध्यान करते हैं। आज यह कंदाराध के बाद सर्वाधिक विजित किये जाने वाला स्थान है।



समुदाय द्वारा समझा - सारालम्मा देवी की याद में प्रति दो वर्ष के बाद में इस जातरा का आयोजन किया जाता है। जहां यह देवियां स्थापित हैं। यह स्थान गढ़ी में भक्त लोग अर्पित में चक्र मगत मांगी जाती हैं और मजत पूरी होने पर भक्त यहां इन मां-बेटों देवियों को गुड़ को सोने के रूप में आगनी मंत्रते चढ़ाई जाती हैं और बकरा एवं मुर्गों की भी बली दी जाती है। इस वर्ष तेलंगाना सरकार ने इसके लिए 75 करोड़ की राशि आवंटित की है। यहां की व्यवस्था दो आईजी और छह एसपी स्तर के अधिकारी संभाल रहे हैं। हैदराबाद के लिए विशेष हवाई सेवा और अग्रे के लिए विशेष ट्रेन एवं बस की व्यवस्था है। यह मध्य और दक्षिण भारत के आदिवासी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इस मेडारम जातरा को यूनेस्को ने सांस्कृतिक धरोहर घोषित किया है। यह विश्व का सबसे बड़ा आदिवासी आयोजन है।

किसी के भी भ्रष्टाचार को दबाना नहीं चाहते : महाधिवक्ता

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित एक हजार से ज्यादा के एनजीओ घोटाले में कोई को बताया

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित एक हजार करोड़ से ज्यादा के एनजीओ घोटाले में राज्य शासन की ओर से दलील पूरी हो चुकी है। महाधिवक्ता ने शासन की ओर से अदालत को स्पष्ट किया कि, राज्य शासन किसी कथित भ्रष्टाचारी को बचाने के पक्ष में विवक्षित नहीं है। राज्य शासन केवल इतनी प्रार्थना करता चाहता है कि प्रदेश की निष्पक्ष व सक्षम जांच एजेंसी

फिलहाल कोई आरोपित नहीं

यह पुछने पर कि, शासन आरोपित व्यक्तियों पर क्या कार्रवाई करेगा, तो महाधिवक्ता ने बताया कि फिलहाल न तो न्यायालय ने किसी को नामजद कर आरोपित किया है और न ही सीबीआई ने दर्ज अपराध में किसी को आरोपी बताया है। उनका कहना था कि, जब तक कोई आरोपी जांच तथा न्यायालयी कार्यवाही में दोषी नहीं पाया जाता है, तब तक देश की न्याय व्यवस्था उसे अपराधी ठहराने का अधिकार किसी को नहीं देती है। महाधिवक्ता का कहना था कि, न्यायालय यदि राज्य शासन के आग्रह को अस्वीकार भी करती है तो, सदा की ही तरह शासन, न्यायालय के आदेश का पूरा सम्मान करते हुए स-अक्षर पालन करेगा।

(पुलिस/ईओडब्ल्यू/एससीबी) से जांच करावाई जाए, जिसकी मॉनिटरिंग स्वयं माननीय अदालत करे। महाधिवक्ता, की ओर से ये भी स्पष्ट

जाए। महाधिवक्ता ने दोहराया कि राज्य शासन की प्रार्थना थी कि जब राज्य निष्पक्ष व सक्षम जांच एजेंसियां मौजूद हैं तो प्रकरण की जांच न्यायालय की सतत निगरानी में उक्त एजेंसियों को सौंपी जा सकती है। महाधिवक्ता ने आगे बताया कि, राज्य शासन, जो न्यायालय के आदेश का पूर्ण सम्मान करती है, को भी अपना आग्रह/पक्ष प्रस्तुत करने का पूरा अधिकार है। महाधिवक्ता ने ये भी बताया कि, राज्य शासन का स्पष्ट रव है कि इस सरकार में भ्रष्टाचारियों/कदाचारियों को संरक्षित करने का खेल नहीं खेला जाएगा, तथा महाधिवक्ता कार्यालय इसी नीति पर अडिग होकर कार्यरत है।

विचाराधीन बंदी जीतू वर्मा की मृत्यु की होगी दण्डाधिकारी जांच

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। केन्द्रीय जेल बिलासपुर में विचाराधीन बंदी श्री जीतू वर्मा आत्मज राधे वर्मा उम्र लगभग 35 वर्ष जाति लोधी निवासी वार्ड नं.- 6, बाजारपाड़ा, सकरी, थान-सकरी, जिला-बिलासपुर छत्तीसगढ़ की उम्रवार के दौरान 22 जनवरी 2020 को प्रातः 05.00 बजे सिस्म अस्पताल बिलासपुर में मृत्यु हो गई है। इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर श्री दिनेश पटेल द्वारा दण्डाधिकारी जांच की जायेगी। जांच के बिना बंदी क्या जेल दखिल होने के पूर्व से किसी बीमारी से पीड़ित था अथवा जेल दखिल होने के पश्चात उसे बीमारी हुई? बंदी को किसी प्रकार की शारीरिक यातना तो नहीं दी गई? बंदी को उपचार के दौरान दी गई चिकित्सा पर्याप्त थी अथवा नहीं? चिकित्सा का व्यौरा दिया जाये तथा बंदी की मृत्यु के क्या कारण हैं? एवं अन्य मुद्दे जो जांच के दौरान सामयिक पड़े जायें। इन बिन्दुओं के बारे में किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की जानकारी हो तो वह कलेक्टर कार्यालय स्थित न्यायालय कक्ष क्रमांक 25 में 22 फरवरी 2020 तक पेश कर सकता है।

अब होंगे नारायणपुर के सपने साकार

आज मिलेगी जिलेवासियों को लगभग 262 करोड़ रु. की सौगात

अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन 2020

8 फरवरी 2020, प्रातः 10:30 बजे

ग्राम- बासिंग, विकासखण्ड ओरछा, जिला- नारायणपुर, छत्तीसगढ़

प्रमुख लोकार्पण

उप स्वास्थ्य केन्द्र, ट्रांजिस्ट हॉस्टल, विद्युत सब स्टेशन, विद्युत उपकेन्द्र, मुख्य चिकित्सा कार्यालय भवन, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भवन, छात्रावास भवन, सड़क, पुल-पुलिया, सामाजिक भवन, पंचायत भवन

प्रमुख भूमिपूजन

जिला अस्पताल में आवासगृह निर्माण, सामुदायिक- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन, आवासीय महाविद्यालय भवन, तहसील भवन, सड़क, स्कूल भवन, आंगनवाड़ी भवन, स्कॉट हाऊस, कर्मचारी भवन

- मुख्य अतिथि
- श्री भूपेश बघेल
- माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
- अति विशिष्ट अतिथिगण
- श्री गुरु रूद्र कुमार
- माननीय प्रभारी मंत्री, नारायणपुर
- श्री दीपक बैज
- माननीय सांसद, बस्तर
- विशिष्ट अतिथिगण
- श्री चंदन कश्यप
- माननीय विधायक, नारायणपुर
- श्रीमती सुनीता मांझी
- माननीय अध्यक्ष, नगर पालिका नारायणपुर

कार्यक्रम में पथारे समस्त अतिथियों का आभार...

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

विनीत :- जिला प्रशासन नारायणपुर